# बसंत पंचमी पर शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने उमड़े शिवभक्त

## शिव मंदिर बढ़ौरा एवं नीलकंठ स्वामी मौहार मंदिर में लगा भव्य मेला, शाम तक शिव मंदिर परिसरों में बनी रही भीड़

**नवभारत न्यूज**

**सीधी 23 जनवरी। जिले भर में आज बसंत पंचमी का पावन पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जिले के प्रमुख धार्मिक स्थल बढ़ौरा शिव मंदिर एवं मौहार के नीलकंठ स्वामी मौहार मंदिर में शाम तक शिव भक्तों की भीड़ उमड़ती रही। यहां विशाल मेले का आयोजन किया गया था। शहर के पूजा पार्क एवं पड़रा शिव मंदिर में भी पूजा-अर्चना करने श्रद्धालु पहुंचे।**

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मां सरस्वती एवं भगवान शिव के पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना गया है। इस अवसर पर जिले के बढ़ौरा शिव मंदिर तथा बहरी के पास मौहार स्थिति स्वामी नीलकंठ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान शिव का रूद्राभिषेक करते हैं। दोनों ही प्रमुख धार्मिक स्थलों में विशाल मेले का भी आयोजन किया गया। जहां श्रद्धालुओं को लाने ले जाने के लिए विशेष वाहन भी चलाए गए। भगवान शिव के दर्शन करने शिव मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पुराणों के अनुसार बसंत पंचमी पर शिव अराधना का भी विशेष महत्व बताया गया है। देवालयों में भगवान शिवलिंग का रूद्राभिषेक व जल चढ़ाने की परम्परा वर्षों से चली आ रही है। जिले के बढ़ौरा शिव मंदिर और मौहार स्वामी नीलकंठ मंदिर में बसंत पंचमी के अवसर पर विशेष शिव अराधना की जाती है। जहां सीधी सहित अन्य जिले के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में पहुंचकर भगवान शिव का रूद्राभिषेक करते हैं। बुधवार को दोनों की प्रमुख मंदिरों में दिन भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। जब फूलों पर बहार आ जाती

है। खेतों मे सरसों का सोना चमकने लगता है जौ और गेंहू की बालियां खिलने लगती हैं। आमों के पेड़ों पर बौर आ जाती है और हर तरफ तितिलियां मड़राने लगती है तब बसंत पंचमी का त्यौहार आता है। इसे ऋतु पंचमी भी कहते हैं। साथ ही ऋतुओं का राजा भी बसंत ऋतु को माना गया है। बसंत पंचमी के अवसर पर मझौली विकासखंड अंतर्गत शिव मंदिर कमचड़ में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हजारों की तादात में लोग भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे। बता दें कि शिव मंदिर कमचड़ में आसपास के गांव परासी, टिकरी, कंजवार, शेर, महखोर, भुमका, शिकरा सहित एक दर्जन से अधिक गांवों से लोग पहुंचे जो मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ ही मंदिर परिसर में लगे मेले का लुत्फ उठाया। यहां सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मड़वास पुलिस और टिकरी पुलिस मुस्तैद रही।

### संजय गांधी महाविद्यालय में मनाई गई बसंत पंचमी

पीएम कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस संजय गांधी महाविद्यालय में बड़े धूमधाम से बसंत पंचमी का त्यौहार मनाया गया जिसमें छात्र .छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मां सरस्वती जी के विशेष पूजन किया गया जिसमें छात्राओं ने छात्र नेता शिवम शुक्ला का जन्मदिन भी केक काटकर मनाया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .प्रभाकर सिंह, डॉ .अनिल सिंह, डॉ .के .पी .सिंह, डॉ .उमेश विश्वकर्मा, उमाकांत साहू, डॉ .रमाकांत पांडे, डॉ .प्रमोद द्विवेदी सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# नपा ने लालता चौक से पटेलपुल तक चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

## सड़क की पटरियों से हटाये गये अतिक्रमण

**नवभारत न्यूज**

**सीधी 23 जनवरी। कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशन में सीधी शहर के बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान आज लालता चौक से पटेल पुल तक अतिक्रमणकारियों को हटाने की कार्रवाई की गई।**

नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के बाजार क्षेत्र में मुख्य सड़कों के किनारे से अतिक्रमणों को हटाने के लिये सतत अभियान चलाया जा रहा है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान आज लालता चौक से लेकर पटेलपुल तक के अतिक्रमणों को हटाया गया। नगर पालिका की टीम द्वारा मुख्य सड़क की पटरियों पर किये गये अतिक्रमणों को प्राथमिकता से हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही कुछ व्यवसाइयों द्वारा अपनी पक्की दुकान के बाहर शेड लगाकर किये गये अतिक्रमण को भी हटाया गया।

टीम द्वारा आरंभ में सभी अतिक्रमणकारियों को स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिये समय दिया जाता है। निर्धारित समय समाप्त होने के बाद नगर पालिका की टीम द्वारा अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई शुरू की जाती है। नगर पालिका के अतिक्रमण हटाने के अभियान में लगी टीम द्वारा बताया गया कि नगर पालिका क्षेत्र के व्यस्ततम मुख्य मार्ग एवं बाजार के अतिक्रमणों को प्राथमिकता से हटाने की कार्रवाई 31 जनवरी तक की जायेगी। टीम द्वारा सभी अतिक्रमणकारियों से कहा गया है कि वे स्वेच्छा से अपने अतिक्रमणों को हटा लें। अभियान के दौरान यदि अतिक्रमण को नहीं हटाया गया तो जब्त करने की कार्रवाई भी की जायेगी।

### 31 तक चलेगा अतिक्रमण हटाने का अभियान

शहर के बाजार क्षेत्र एवं मुख्य सड़कों के किनारे किये गये अतिक्रमण को हटाने का अभियान शहर में 31 जनवरी तक चलाया जायेगा। नगर पालिका की टीम द्वारा अलग-अलग मार्गों को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। नगर पालिका की कार्रवाई से अतिक्रमणकारियो में हड़कंप मचा हुआ है।

### एक नजर में

## राजपूत करणी की अहम बैठक, नियमों पर हुआ मंथन

**सीधी।** श्री राजपूत करणी सेना सीधी इकाई के बैनर तले आज ब्राह्मण समाज सहित अन्य सभी सवर्ण समाज के लोगों के साथ यूजीसी के नए नियमों को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यूजीसी द्वारा लागू किए गए फ्रेमवर्क पर चर्चा करते हुए आगे की रणनीति तय करने को लेकर सभी सामाजिक संगठनों ने अपनी-अपनी राय रखी। बैठक में उपस्थित समाजजनों ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में समानता और निष्पक्षता आवश्यक है लेकिन नए नियमों में सामान्य वर्ग/सवर्ण समाज के प्रति एकतरफा व्यवस्था दिखाई दे रही है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि यदि किसी एससी/एसटी/ओबीसी वर्ग के छात्र या कर्मचारी के साथ टिप्पणी, भेदभाव या अनुचित व्यवहार होता है तो तुरंत जांच और सख्त कार्रवाई का प्रावधान है लेकिन वही स्थिति सामान्य वर्ग के साथ होने पर स्पष्ट सुरक्षा और सुनवाई की व्यवस्था नहीं दिखती।

## अनुभूति कार्यक्रम में शामिल हुए टमसार स्कूल के छात्र

**कुसमी।** वन परिक्षेत्र टमसार बफर अंतर्गत 23 जनवरी को अनुभूति कार्यक्रम के दूसरे दिन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टमसार के 157 छात्र-छात्राओं की उपस्थिती में सम्पन्न हुआ। जिसमे ट्रेनर के रूप मे डॉ .कैलाश तिवारी, प्रकाश द्विवेदी ट्रेनर, मुख्य अतिथि पूर्व जनपद अध्यक्ष व वर्तमान जनपद सदस्य जमुनी देवी, प्राचार्य, शिक्षक गण एवं कार्यक्रम में परिक्षेत्राधिकारी टमसार हर्षित मिश्रा, परिक्षेत्र सहायक केदारनाथ मिश्र, परिक्षेत्र सहा . कुसमी, रौहाल, वनरक्षक सोनी सिंह, अशोक तिवारी, श्रीचंद्र पनिका, मोहित प्रजापति, कम्प्यूटर आपरेटर अवजीत तिवारी के साथ अन्य सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे। जहां चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी एवं छात्र-छात्राओं को पुरुस्कृत किया गया एवं वन विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं को नाश्ता व भोजन भी खिलाया गया।

# कलश यात्रा के साथ पटपरा में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

**नवभारत न्यूज**

**सीधी 23 जनवरी। कांग्रेस प्रवक्ता पंकज सिंह द्वारा अपने पिता स्व.संतोष सिंह की पुण्य स्मृति में आयोजित वार्षिक श्राद्ध (वर्षी) के पावन अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला के अंतर्गत श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ गुरुवार 22 जनवरी को किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण व्याप्त रहा।**

श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस प्रातः सोनभद्र गऊघाट से पवित्र जल लेकर श्रद्धालुओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा, जयघोष और भक्ति गीतों के बीच यह कलश यात्रा

पटपरा स्थित निज निवास पहुंची। यात्रा में आसपास के अनेक ग्रामों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कथावाचक का श्रद्धापूर्वक स्वागत कलश यात्रा के पश्चात कथा स्थल पर प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य आचार्य अतुल पाठक नीलकंठ धाम मौहार का भक्तजनों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। प्रथम दिवस कथा के शुभारंभ अवसर पर महेन्द्र सिंह, पंकज सिंह, रंजीत सिंह, एड.विनोद वर्मा, विजय सिंह सरपंच, जनार्दन सिंह, महेंद्र सिंह कमर्जी, विष्णुप्रताप सिंह, एड.अशोक कोरी, चंद्रप्रताप सिंह, विष्णु बहादुर सिंह कमर्जी, नरेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह गुप्पु, बाबा परोहा, गिरजा भारती, शंकर्षण सिंह, सुरेन्द्र सिंह, धीरेन्द्र सिंह, अजय सिंह, नीलकंठ वर्मा, धीरू सिंह, रमेश विश्वकर्मा एवं हिंछलाल बढ़ई सहित गणमान्य नागरिकों ने माल्यार्पण कर आचार्य का अभिनंदन किया। साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस आचार्य अतुल पाठक महाराज ने अपने मुखारविंद से अमृतमयी वाणी के माध्यम से श्रद्धालुओं को कथा रस का रसास्वादन कराया। उन्होंने भागीरथी गंगा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां गंगा मनुष्य के समस्त पापों का शमन करने वाली हैं। गंगा के दर्शन मात्र से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव मानी गई है। उन्होंने बताया कि भागीरथी गंगा सदा मानव कल्याण का प्रतीक रही हैं और उनके तट पर किया गया स्मरण, स्नान एवं दर्शन जीवन को पवित्र बनाता है। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे वातावरण में भक्ति, श्रद्धा एवं अध्यात्म का भाव बना रहा। कथा आयोजन से क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना का संचार हुआ है।

# मतदाता सूची से नाम काटने का खेल उजागर, कांग्रेस ने सौंपा जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन

**नवभारत न्यूज**

**सीधी 23 जनवरी। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के द्वितीय चरण के दौरान भारतीय जनता पार्टी से जुड़े बीएलओ एवं कार्यकर्ताओं द्वारा सुनियोजित ढंग से फर्जी आपत्तियां दर्ज कराकर मतदाताओं के नाम कटवाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। इसी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच एवं अवैधानिक तरीके से किए जा रहे नाम विलोपन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।**

जिला कांग्रेस कमेटी ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि निर्वाचन आयोग की स्पष्ट गाइडलाइन के अनुसार किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची से विलोपित किए जाने की केवल दो ही वैध परिस्थितियां हैं या तो संबंधित व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो अथवा उसका नाम किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हो। यदि किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज है तो आपत्तिकर्ता को इसका विधिवत प्रमाण प्रस्तुत करना अनिवार्य है तथा मतदाता की स्वेच्छा से यह सहमति भी आवश्यक है कि उसका नाम किस स्थान पर रखा जाए। कांग्रेस कमेटी ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद भाजपा के जिम्मेदार पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एक-एक बूथ से सैकड़ों की संख्या में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग एवं कांग्रेस

समर्थित मतदाताओं के नाम बिना किसी प्रमाण के प्रारूप-7 के माध्यम से विलोपित कराने हेतु आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। यह पूरी प्रक्रिया न केवल अवैधानिक है बल्कि इससे भारत की लोकतांत्रिक निर्वाचन व्यवस्था एवं तंत्र पर आमजन का विश्वास भी डगमगाने लगा है। ज्ञापन में विशेष रूप से यह भी उल्लेख किया गया कि ग्रामीण अंचलों में बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता हैं जो पुस्तैनी निवासी हैं और वर्षों से नियमित रूप से मतदान करते आ रहे हैं। बीएलओ द्वारा उनके गणना पत्रक भी भरे गए हैं जिसके आधार पर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है। बावजूद इसके आजीविका के लिए अस्थायी रूप से बाहर मजदूरी अथवा काम पर गए ऐसे मतदाताओं के नाम काटने के लिए भाजपा से जुड़े बीएलओ द्वारा प्रारूप-7 में आवेदन दिए जा रहे हैं जो अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय है। जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला निर्वाचन अधिकारी से मांग की कि सभी अनुविभागीय अधिकारियों एवं तहसीलदारों को स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं कि बिना किसी भौतिक सत्यापनए वैध प्रमाण एवं संबंधित मतदाता की सहमति के किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची से विलोपित न किया जाए। इससे यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी योग्य मतदाता अपने संवैधानिक मतदान अधिकार से वंचित न हो। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मतदाता सूची में इस प्रकार की अनियमितताओं पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई, तो लोकतंत्र की मूल भावना को ठेस पहुंचेगी और आम नागरिकों का निर्वाचन प्रक्रिया से विश्वास उठता जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नियमों के अनुरूप कार्रवाई की मांग की है।

### प्रतिनिधि मंडल में ये रहे शामिल

प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से महामंत्री नवीन सिंह, महामंत्री ओमकार कर्चुली, महामंत्री ज्ञानेन्द्र अग्निहोत्री, महामंत्री अखण्ड प्रताप सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष विवेक सिंह दीपू, ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद तिवारी, सचिव राहुल शुक्ला शामिल रहे।

# माघी अमावस्या पर वास्तविक अपमान पूरे सनातन धर्म एवं संपूर्ण भारत वर्ष का हुआ : निर्भयानन्द

## दण्डी संन्यासी बालयोगी अन्नत श्री विभूषित परमहंस निर्भयानन्द सरस्वती प्रतिवाद भयंकर आचार्य जी महाराज धर्मसंघ काशी ने माघी अमावस्या पर किनका किनका अपमान के गूढ़ रहस्यात्मक विवेचन पर डाला प्रकाश

**नवभारत न्यूज**

**सीधी 23 जनवरी। दण्डी सन्यासी बालयोगी अन्नत श्री विभूषित परमहंस निर्भयानन्द सरस्वती प्रतिवाद भयंकर आचार्य जी महाराज धर्मसंघ काशी, सम्पति तिलक नगर पड़रा, जिला-सीधी मध्यप्रदेश ने माघी अमावस्या पर किनका किनका अपमान के गूढ़ रहस्यात्मक विवेचन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आप कहेंगे शंकराचार्य जी का? उनके शिष्यों का? हम कहते हैं नहीं। वास्तव में केवल इन्ही का अपमान नहीं हुआ है। वास्तविक अपमान तो पूरे सनातन धर्म का हुआ है। संपूर्ण भारतवर्ष का हुआ है।**

परमहंस निर्भयानन्द ने आगे कहा कि यही नहीं अब आइये देखते हैं आध्यात्मिक तल पर किस किसका अपमान हुआ है-समय था माघी अमावस्या का। जिसका सबसे ज्यादा महत्व पितरों से संबंधित है और पितरों का सीधा संबंध चंद्रमा से है। और चंद्रमा का सीधा संबंध मन से है। जिसका संबंध समस्त सुख और शांति से है

शंकराचार्य कौन? तो गुरु और गुरु का शिष्य कौन होता है? केतु। तो यहाँ पर गुरु और केतु दोनों ही कुपित हो गए। चूंकि पराक्रम का दुरूपयोग किया गया पुलिस कर्मचारियों द्वारा तो मंगल तो स्वतः ही कुपित हो गया। साथ ही वाणी के दुरुपयोग और कुटिल बुद्धि ने बुध को भी कुपित कर दिया। धन के दुरुपयोग ने शुक्र को भी कुपित कर दिया? रही बात राहु महाराज की तो सोशलमीडिया के भ्रमपूर्ण कुतथ्यों ने राहु को भी नहीं छोड़ा। अब जब सारे के सारे ग्रह कुपित हो गए तो बचा क्या?

किसी भी ग्रह का सम्मान शेष नहीं रहा! और जब ग्रहों को ही तुमने दुषित कर दिया तो अब तो ब्रह्मा भी चाह कर बचा नहीं सकते। ऐसा क्यों? क्योंकि स्वयं शिव जी कहते हैं माता पार्वती से कि हे देवी! एक बार ब्रह्मा के लिखे को तो परिवर्तित किया जा सकता है पर ग्रहों के प्रभाव से नहीं बचा जा सकता। क्योंकि ग्रह कुछ और नहीं हमारी प्रतिमूर्ति ही हैं। हम दोनों की शक्ति उनमें है जिससे वे संसार के सभी प्राणियों में अपना प्रभाव डाल पाते हैं। यहाँ पर कुछ और बातें उन्होंने बताई थी कि ग्रहों के दुष्प्रभाव से बचने का अमोघ तरीका क्या है। उस रहस्य को अभी रहने देते हैं। क्योंकि यह विषयांतर हो जाएगा।

दण्डी सन्यासी ने कहा कि शंकराचार्य जी ने गंगा में स्नान नहीं किया तो ये साक्षात् माँ गंगा का अपमान है। क्योंकि माँ गंगा पर प्रथम अधिकार ही साधु संतों व आचार्यों का होता है और जब उन्हें ही अपमानित करके रोक दिया गया तो माँ गंगा तो कुपित होंगी ही। अब कुछ लोग यहाँ पर यह अनर्गल मिथ्या प्रलाप कर रहे हैं कि ये शंकराचार्य जी का अहंकार है कि उन्होंने गंगा में स्नान ना करके उनका अपमान किया। उनसे केवल इतना कहना चाहते हैं कि जब किसी गुरु के सामने उसके शिष्यों के साथ घोर अत्याचार किया जाए, नन्हें नन्हें बटुकों की शिखा को पकड़ कर घसीट घसीट कर पटक पटक कर बेरहमी से मारा जाए तो भला ऐसा कौन गुरु होगा जो अपने पुण्य के लोभ में किसी धार्मिक कृत्य को उस समय आगे बढ़ाएगा? क्योंकि वास्तव में जो ऐसा करे उसे तो गुरु कहलाने का ही अधिकार नहीं और जो ऐसा करे उसे शर्म के मारे चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए।

नन्हें नन्हें बटुकों की शिखा को पकड़ कर घसीट घसीट कर पटक पटक कर उन्हें मारा गया। बटुक कौन होता है? बटुक बुध का स्वरूप है। ऊपर से ब्राह्मण ऊपर से ब्रह्मचारी और इन सबसे भी ऊपर शंकराचार्य जी के शिष्य जो कि साक्षात् देवतुल्य हैं? इनका अपमान। और केवल अपमान ही नहींए निर्ममता और निर्दयतापूर्वक कुटिल व्यवहार।

**।।चिद्रूपिणि महामाये दिव्यतेजः समन्विते। तिष्ठ देवी शिखा मध्ये तेजोवृद्धिं कुरुष्व मे।।**

अर्थात् हे ज्ञान स्वरूपिणी (चेतना रूपी), हे महामाया (महान शक्ति), हे दिव्य प्रकाश से युक्त देवी, आप मेरे शिखा (चोटी) के मध्य में स्थित होकर मेरी तेजोवृद्धि (तेज और ऊर्जा में) करें।

अर्थात् शिखा में स्वयं शक्ति का वास होता है और उसका अपमान करने से शिव के सभी गण क्रूद्ध हो जाते हैं विशेकर वीरभद्र और कालभैरव। ब्राह्मणों का अपमान करने से स्वयं वेदमाता गायत्री कुपित हो जाती हैं। और वेदमाता के कुपित होने से चारों वेद।

वेदों का सीधा संबंध पुराणों से, आगम निगम उपनिषदों व सभी धर्म शास्त्रों से है। हनुमान जी का तो अपमान करने का दुस्साहस किया ही जा चुका है वो भी राष्ट्र के प्रधान के द्वारा। जिस स्थान पर यह निर्मम घटना घटी उस स्थान का स्थान देवता भी कुपितए ग्राम देवता कुपित, जिनके साथ यह अत्याचार किया गया और जिन्होंने इस काम को अंजाम दिया व जिनके कहने पर ये हुआ और जो जो लोग इस घटना का मजाक उड़ाने की धृष्टता कर रहे हैं उनका समर्थन कर रहे हैं उन सबके कुलदेवता कुलदेवी, कुल भैरव, कुलगुरु, कुलयोगिनी, समस्त गुरु मंडल ये सबके सब कुपित।

चूंकि न्याय प्रशासन का यहाँ दुरूपयोग हुआ तो न्याय के प्रधान देवता शनि महाराज, कालभैरव, धर्मराज यमदेव आदि सभी कुपित।

राजा की उदासीनता ने गलत निर्णयों ने, राजा के राज में राजा के रहते हुए प्रजा की इस दुर्दशा ने साक्षात् सूर्य को कुपित कर दिया।

चूंकि यहाँ केवल मन ही व्यथित नहीं हुआ है यहां तो आत्मा की गहराई पर भीषण प्रहार किया गया है। जिसने ग्रहों के राजा सूर्य को कुपित कर दिया। अंक ज्योतिष के अनुसार यह वर्ष भी सूर्य का है जो कि राजा हैं। और राजा के शासन में यह सब दुर्दशा के साक्षी स्वयं शनि महाराज हैं। तो वो तो किसी को छोड़ने वाले कदापि नहीं हैं। क्योंकि उनका जब न्याय चक्र चलता है तो कोई नहीं बच पाता अच्छे अच्छों का अहंकार चूर चूर हो जाता है।

प्रतिवाद भंयकर आचार्य जी महाराज ने कहा कि अरावली पर्वत पर अत्याचार, मणिकर्णिका घाट पर अत्याचार शिव की नगरी काशी का घोर अपमान। छत्तीसगढ़ में हो रहे प्रकृति पर घोर अत्याचार। ये सब प्रकृति पर जो अन्याय हो रहा है, राजनीतिक सत्ता का दुरूपयोग। इसका दंड भी प्रकृति ही देती हैं और प्रकृति की रक्षा के लिए ही नारायण आते हैं आपको भ्रम होगा कि नारायण मनुष्यों के लिए आते हैं। क्योंकि वास्तव में नारायण प्रकृति की रक्षा के लिए ही आते हैं और आगे भी आते रहेंगे। प्रकृति के साथ घोर अत्याचार होने पर कोरोना महामारी के रूप में पूरा संसार देख चुका है। अब आगे क्या होगा वो तो भगवती ही जानें। कोरोना महामारी के समय लोग कह रहे थे कि ये किसी आसुरी शक्ति का प्रताप है। तब हमने कहा था कि ये कोरोना नहीं महामाई कालरात्रि का महामारी स्वरूप है।

इस प्रकार से हम देखते हैं कि वास्तव में घोर कलिकाल का लक्षण स्पष्ट परिलक्षित है। अतः सावधान! केवल ब्राह्मण होने से, केवल साधक होने से अब बात नहीं बनेगी। अपने साथ शस्त्र शास्त्र और आध्यात्मिक बल भी रहना अनिवार्य है। क्योंकि वास्तव में जरूरत पड़ने पर केवल यही काम आते हैं। जिन्हें हमारी बात पर तनिक भी संदेह हो वे यदि अतिंद्रीय क्षमता से युक्त हों तो वे हमारी बात की जांच कर सकते हैं। क्योंकि इस लेख का श्रेय हमें नहीं स्वयं भगवती को जाता है जिनके आदेश पर यह लेख लिखा जा रहा है। क्योंकि मुझमें वो सामर्थ्य ही नहीं कि इन गूढ़ तथ्यों पर कुछ कह सकूँ। ये गूढ़ रहस्य तो स्वयं भगवती प्रदान करने वाली हैं। हाँ कोई भी व्यक्ति ये समझने की भूल कदापि ना करे कि हम किसी विशेष राजनीतिक दल के समर्थक हैं, ना भाजपा ना कांग्रेस और ना ही कोई अन्य क्योंकि राजनीति बिना अधर्म के सहारे चल ही नहीं सकती और हम सदैव सत्य और धर्म के ही समर्थक थे हैं और सदा रहेंगे भी। क्योंकि सदैव सत्य और धर्म की ही विजय होती हैय असत्य की नहीं।

**।।सत्यमेव जयते। असत्य नानृतं।।**

चाहे वो किसी के साथ भी हो। यह गूढ़ रहस्य भी उजागर कर ही देते हैं। स्वयं देवताओं का राजतंत्र ही जब धर्म का पालन करने में असमर्थ हो गया तो फिर मनुष्यों की क्या औकात है। यही कारण है कि जो वास्तविक साधु और संत होते हैं वे राजनीति को दूर से ही नमस्कार करते हैं कभी राजनीति में आना नही चाहते। चाहते तो आचार्य चाणक्य पंडित विष्णु गुप्त शर्मा भी राजनीति में आ सकते थे पर वे स्वयं ना आकर उन्होंने राजनीतिक तंत्र खड़ा किया। चाहते तो कृष्ण भी राजनीति में आ सकते थे पर उन्होंने भी वही किया जो आचार्य चाणक्य ने किया। अब ज्यादा रहस्य नहीं खोलेंगे जिन्हें हमारी बात मानना है माने नहीं मानना तो ये उनका भाग्य। मनुष्य केवल रास्ता दिखा सकता है पर चलना खुद को पड़ता है।

आप लोग अब यह कहेंगे कि हम किसी विशेष शंकराचार्य जी के विशेष पक्षधर हैं। तो इसका उत्तर है बिलकुल भी नहीं। कल की तारीख में यदि ये शंकराचार्य हों अथवा पूरी के शंकराचार्य या फिर कोई अन्य यदि अधर्म पूर्ण कृत्य करेंगे तो फिर उनका भी विरोध वांछनीय ही है। और यहाँ पर यह भी स्पष्ट कर देते हैं कि विरोध वांछनीय है किन्तु अपमान किसी भी दृष्टि में उचित नहीं। क्योंकि समर्थन किसी विशेष प्राणी, किसी विशेष जाति, संप्रदाय अथवा मठाधीश व राजनेताओं का नहीं अपितु धर्म का होना चाहिए। और धर्म क्या हैघ् एक वाक्य में उत्तर देते हैं. धर्मं चर! अर्थात जो आचरण करने योग्य कर्म है वही धर्म है। तुलसी दास जी भी कहते हैं.

**।। परहित सरिस धर्म नहीं भाईए परपीड़ा सम नहीं अधमाई।।**

Advt